



भारत का गज़त

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

Ch
30/5/86

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 169]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 3, 1986/चैत्र 13, 1908

No. 169]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 3, 1986/CHAITRA 13, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह असम संकलन के क्षमता में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विस्तर संकलन
(यज्ञस्व विभाग)
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा-शुल्क बोर्ड
अधिसूचना
नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1986
सं. 230/8-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 580 (म):—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की बारा 157 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और परियोजना आयात (संविदा का रजिस्ट्रीकरण) विनियम, 1965 को उत्तरांतों के सिवाय के अधिकांत करते हुए ऐसे अधिकारण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (क) संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:— इन विनियमों का संक्षिप्त नाम परियोजना आयात विनियम, 1986 है।

(ख) ये 3 अप्रैल, 1986 से प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना:— ये विनियम सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 98.01 के अन्तर्गत आने वाले माल के निर्धारण और निकासी के लिए लागू होंगे।

3. परिभाषाएँ:— इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए:—

(क) “बीबोगिक संयंत्र” के ऐसी बीबोगिक पदार्थ वस्तुओं के विनियम, उत्पादन या वितरण के लिए अवश्यक किसी प्रक्रिया या क्रमबद्ध प्रक्रिया वर्णों के विषयावान में प्रत्यक्ष इस से संगाएँ जाने के लिए परिकल्पित है किन्तु इसके अन्तर्गत विनियमित नहीं हैं:—

(i) ऐसे संस्थापन जो किसी वर्जन की सेवाओं का प्रस्ताव करने के लिए परिकल्पित हैं, जैसे होटल, अस्पताल, फोटो-ग्राफिक स्टूडियो, फोटोग्राफिक फ़िल्म प्रसंस्करण प्रयोग-शालाएं, फोटोप्रतिलिपि स्टूडियो, लांडरी, गैरिज, कम्बलाला, या

(ii) उक्त पहली अनुसूची के अनुभाग 3 और 4 में उसको दिए गए अर्थात् एकल भजीन या कोई संयुक्त भजीन;

(ख) “पर्याप्त विस्तार” से ऐसा विस्तार अभिप्रेत है, जिससे विद्यमान संस्थापित क्षमता में कम से कम 25 प्रतिशत बृद्धि हो जाती है।

(ग) 'एक' से क्रिस औरोगिक मयव वा कोई स्वत पूर्ण रा या उक्त शोष स 98 01 के अधीन निविदित किसी परियोजना का कोई स्वतपूर्ण भाग और जिसका उक्त परियोजना के निविदित में स्वत वाला कार्य है परियोजना है।

4. पात्रता—शार्ष स 93.01 के प्रभाव निवारण के बारे ऐसे माल को ह उत्तरव्य होगा जिनका आयात (बाहे एक या एक से अधिक दरेणा म) ऐसे किसी एक या अधिक निविदित सविदाओं के लिए किया गया हो, जो विनियम 5 मे निविदित रीति मे समुचित सीमानुक मदन मे रजिस्ट्रीड्यूट किए गए हैं और ऐसी सविदा या सविदाएँ—

(1) सीमा-शुल्क के किसी समुचित अधिकारी द्वारा देशी उपभोग के लिए माल की निकासी को अनुमात करने वाला कोई आदेश किए जाने से पूर्व,

(ii) भारत सरकार के अधिकारी या () या भारतीय व्यापार मेला प्राविकरण द्वारा सम्यक रूप मे प्रायोजित या अनुमोदित मेलाओं, प्रदर्शनियों, प्रदर्शनों, सेमीनारा, कार्यपालों और सम्मेलनों की बाबत पुन निर्यात के अधीन शुल्क के सदाय के लिए देशी उपभोग के लिए निकासी किए गए माल की दशा मे, शुल्क के सदाय की तारीख के पूर्व,

स प्रबन्ध रजिस्ट्रीड्यूट हो गई है।

5. सविदाओं का रजिस्ट्रीकरण—(1) उक्त शोष स 98 01 के अन्तर्गत ग्रान वाले माल के निवारण का दावा करने वाला प्रत्येक आयातकर्ता, उनके प्रायात पर या, उसके पूर्व उस पत्तन के जहा माल का आयात किया जाना है या जहा अधास्थिति, सविदा या सविदाओं के रजिस्ट्रीकरण के लिए शुल्क का सदाय किया जाना है, समुचित अधिकारी को लिखित रूप मे अवैदन करेगा,

अरन्तु जो देशी उपभोग को दशा मे जिनकी निकासी गंते सीमा-शुल्क मदन मे सिव रिसामानुक रद्द मे को जानो ते जिस पर सविदा रजिस्ट्रीड्यूट है, तो अधास्थिति रजिस्ट्रीकरण के सीमा-शुल्क मदन मे ऐसी जानकारी प्रस्तुत हो। जिनकी निवारण को जानकारी देना करे।

(2) अधास्थिति रद्द भो लिखित हो वह आयात व्यापार निवारण ग्रान त्रोड़ार नहा क परवान अधास्थिति या जो देशी उपभोग के लिए और दुना साधारण अनुज्ञित के अन्तर्गत आन नाने आयातों या केंद्रीय नरकार किसी राज्य सरकार कान्ती नियम पवित्र निकासी या जो इन स्टाक कपनी के रूप मे संचालित सरकार त उत्तरान (जिन्हे दुने इनके द्वारा अधिकरण कहा गया है) द्वारा किए गए आयातों की दशा मे, अधास्थिति, तकनीकी विकास मन्त्रितान या मन्त्रित प्रायोजन प्राविकरण मे निकासी अधिकारी होते हो, अवैदन करेगा।

(3) ग्रावेदन मे निम्नलिखित निविदित किए जाएँ—

(क) संयं या परियोजना की अवस्थित—

(ख) उन वस्तुओं का वर्णन जिनका विनियोजन, उत्पादन, बना या गोज की जानो है,

(ग) स्वयं या पारवाजना की मस्थापित या परिकल्पित क्षमता और किसी विद्यमान सम्बन्ध या परिवार्ता के पर्याप्त विस्तार की दशा मे स्थापित क्षमता और उसके प्रसारावत वद्धि,

(घ) किसी प्रत्य विशिष्टिया जो उक्त शोष के अधीन निवारण के प्रयोजनों के लिए समुचित अधिकारी द्वारा आवश्यक समझी जाएँ।

(ii) निवेदित के माथ उन भी लोकों हों, सविदा का मूल विलेख उनको रो प्रति चौड़ा ग्रामांक, व्यापार, निवारण अनुज्ञित, भनन की र यो विषये त उन की जाने वाली अनुज्ञित वरुओं का या उनकी विवाह व भवितव्य इनकी प्रायोजन अनुज्ञित के लिए उनकी आवश्यक सरकार कान्ती की नियम, परिवक विवाह व इनकी गति सरकारी उपकरण द्वारा किए गए उनको देशी उपभोग की दशा मे सम्बद्ध प्रायोजन अधिकारी से मदो की एक रुपोदित एवं उनके लिए उनके लिए किया जाएगा।

(5) ग्रामाननी विवेश के रजिस्ट्रीकरण के लवध मे ऐसी अन्य दस्तावेजे या प्रत्य विशिष्टिया भी प्रस्तुत करेगा जो समुचित अधिकारी द्वारा अपेक्षित हो।

(6) निविदित ग्रामानों को भाना यह मनावाल हो जाने पर कि ग्रावेदन करवद्द है पर या उनका विशिष्टियों को इस प्रयाजन के लिए रखी गई पुरुषों को इनकी उपभोग करेगा, रजिस्ट्रीकरण के प्रतीक रूप मे शोई महाराज वरुदेवी देशी और उन वर्म सल्याक को आयात-हत्ती को समुचित करेगा या आयात-हत्ती को वे ममी मूल दस्तावेजे भी वापस तौदा देगा जो प्रब उमके द्वारा अपेक्षित नही है।

6. निविदित का नियमण—(1) यदि विनियम 5 मे निविदित कोई नियम उन ग्रामान्न के दूर या पश्चिम नशोवित की जानी है तो ग्रामान्न उन विवेश पे ग्रामान्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए रामुचित अधिकारी द्वारा ग्रावेदन करेगा।

(2) निवेदित के उप ग्रामान्न मे नशोवित सविदा का मूल विलेख उनको रो रिंडा ग्राम बड़ा भो लोकेन हो वहा सविदा के अन्तर्गत ग्रामान्न के दूर या पश्चिम नशोवित मे पारिग्रामिक सशोविता को अनुज्ञात करन वाल दस्तावेजे, यदि कोई हो और वही ग्रामान्न ग्रामान्न के अन्तर्गत शाया व उपभोग की दशा मे प्रयाजित नहा त उपभोग के अनुज्ञात ग्रामान्न के अधिकारी से विविध 5 के बड़ 4) मे निविदित वस्तुओं के सूबो के माथ साथ विविध 5 के बड़ 4) के ग्रामान्न ग्रामान्न के अनुपमाणित रूप मे सकन की जाएगी।

3) या ग्रामान्न हो गा पर कि ग्रावेदन उपभोग है समुचित अधिकारी लोकों का एक टिप्पण, रजिस्टर मे लिखेगा।

[फा स 528/15/86-सी शु—(टी यू)]

एम एन विस्त्राम, ग्राम निविदित

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF EXCISE & CUSTOMS

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 1986

NO. 230,86-CUSTOMS

G.S.R. 580(E).—In exercise of the powers conferred by section 157 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the Project Imports (Registration of Goods) Regulations, 1965, except as respect things done or omitted to be done before such supersession the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following regulations, namely:—

1. (1) Short title and commencement.—These regulations may be called the Project Imports Regulations, 1986.

(2) They shall come into force on the 3rd day of April, 1986.

2. Application.—These regulations shall apply for assessment and clearance of the goods falling under heading No. 98.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975).

3. Definitions.—For the purposes of these regulations,—

(a) "industrial plant" means an industrial system designed to be employed directly in the performance of any process or series of processes necessary for manufacture, production or extraction of a commodity, but does not include—

- (i) establishments designed to offer services of any description such as hotels, hospitals, photographic studios, photographic film processing laboratories, photocopying studios, laundries, garages and work-shops; or
- (ii) a single machine or a composite machine, within the meaning assigned to it, in notes 3 and 4 to section XVI of the said First Schedule;
- (b) "substantial expansion" means an expansion which will increase the existing installed capacity by not less than 25 per cent;
- (c) "unit" means any self-contained portion of an industrial plant or any self-contained portion of a project specified under the said heading No. 98.01 and having an independent function in the execution of the said project.

4. Eligibility.—The assessment under the said heading No. 98.01 shall be available only to those goods which are imported (whether in one or more than one consignment) against one or more specific contracts, which have been registered with the appropriate Custom House in the manner specified in regulation 5 and such contract or contracts has or have been so registered,—

- (i) before any order is made by the proper officer of customs permitting the clearance of the goods for home consumption;
- (ii) in the case of goods cleared for home consumption without payment of duty subject to re-export in respect of fairs, exhibitions, demonstrations, seminars, congresses and conferences, duly sponsored or approved by the Government of India or Trade Fair Authority of India, as the case may be, before the date of payment of duty.

5. Registration of Contracts.—(1) Every importer claiming assessment of the goods falling under the said heading No. 98.01, on or before their importation shall apply in writing to the proper officer at the port where the goods are to be imported or where the duty is to be paid for registration of the contract or contracts, as the case may be:

Provided that in the case of consignments sought to be cleared through a Custom House other than the Custom House at which the contract is registered, the importer shall produce from the Custom House of registration such information as the proper officer may require.

(2) The importer shall apply, as soon as may be, after he has obtained the Import trade control licence wherever required for the import of articles covered by the contract and in case of imports covered by the Open General Licence or imports made by Central Government, any State Government, statutory corporation, public body or Government undertaking run as a joint stock company (hereinafter referred to as "Government Agency") as soon as clearance from the Directorate General of Technical Development or the concerned sponsoring authority, as the case may be, has been obtained.

(3) The application shall specify—

- (a) the location of the plant or project;
- (b) the description of the articles to be manufactured, produced, mined or explored;
- (c) the installed or designed capacity of the plant or project and in the case of substantial expansion of an existing plant or project the installed capacity and the proposed addition thereto;
- (d) such other particulars as may be considered necessary by the proper officer for purposes of assessment under the said heading.

(4) The application shall be accompanied by the original deed of contract together with a true copy thereof, the import trade control licence, wherever required, specifically describing the articles licensed to be imported or an approved list of items from the Director General of Technical Development or the concerned sponsoring authority, in the case of imports covered by Open General Licence or imports made by Central Government, any State Government, statutory Corporation, public body or Government undertaking run as a joint stock company.

(5) The importer shall also furnish such other documents or other particulars as may be required by the proper officer in connection with the registration of contract.

(6) The proper officer shall, on being satisfied that the application is in order register the contract by entering the particulars thereof in a book kept for the purpose, assign a number in token of the registration and communicate that number to the importer and shall also return to the importer all the original documents which are no longer required by him.

6. Amendment of contract.—(1) If any contract referred to in regulation 5 is amended, whether before or after registration, the importer shall make an application for registration of the amendments to the said contract to the proper officer.

(2) The application shall be accompanied by the original deed of contract relating to the amendments together with a true copy thereof and the documents, if any, permitting consequential amendments to the import trade control licence, wherever required, for the import of articles covered by the contract and in the case of imports covered by Open General Licence, as soon as clearance from the Directorate General of Technical Development or the concerned sponsoring authority, as the case may be, has been obtained

along with a list of articles referred to in clause (4) of regulation5, duly attested.

(3) On being satisfied that the application is in order, the proper officer shall make a note of the amendments in the register.

[F. No 528/15/86-Cus (TU)]

M. N. BISWAS, Under Secy.

Central Board of Excise & Customs.